अगष्ट २०१३

TODAY

(यूराशिया रेयूकाई का समाचार पत्र)

बर्ष-१ अंक-२

१८ नवम्बर २०१३ के दिन महागुरु काकुतारो कुबोज्यूके ७०वें पुण्यतिथि स्मरण समारोह में मिचिविकी का पुण्यफल और परिणाम लेकर सहभागी बनें।

आज का आव्हान

- कलनही, जो करसक हैं आज करें ।
- यदि माफ करण हैं, आज ही माफ करें ।
- कल के लिए नहीं, आजके लिए बचें।
- यदि कुछ सृजन करना हैं तो आज ही करें ।
- यदि किसी पर दया करनी हैं तो आज ही करें ।
- खुद को आजका बनाएं।

यूराशिया रेयूकाई काठमाडूं संस्कृति केन्द्र के हस्तकला कक्षा का उद्घाटन

२१ जुलाई २०१३ के दिन यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी की उपस्थिति में हमारी मुमाहिरोको मासुनागा जी के कर-कमलों द्वारा यूराशिया रेयूकाई काठमाडूं संस्कृति केन्द्र में हस्तकला कक्षा का उद्घाटन संपन्न किया गया ।

उक्त समारोह में संस्थापक अध्यक्ष जी ने अपने मार्गनिर्देशन में कहा कि यह हस्तकलां कक्षा सीखने का स्थान है, सीखी दुई बातें सिखाने जाने की बात महत्वपूर्ण है । रेयूकाई में सीखने की भावना की बात बतायी गयी हैं । नहीं जानने बाली बातों कोई नहीं कहेगा, नहीं सिखाएगा, ऐसा नहीं सोचकर अपनी ओर से यह क्या हैं ? ऐसा पुछते हुए यह खीखने की जगह हैं । इंस स्थान मे महिलाओं को उदाहरण के रुप में निर्माण करना हैं । यही बातें नेपाल में परिवर्तन भी ला सकती हैं । इस स्थान पर सामानों की खरीद-बिक्री नहीं होगी, हां बनाए हुए सामान यदि कोई लेना चाहता हैं तो बही मात्र देंगे । सामान कही बाहर से नहीं, बल्कि इसी स्थान पर तैयार किया जाएगां । मुख्य रुपसे दिमाग और ऊंगलियों को क्रियाशील करना हैं । मिलजुल कर एक दुसरे की प्रशंसा कर कार्यान्वयन करें ।

उक्त समारोह में हमारी मुमा हिरोको मासुनागा जी ने प्रशिक्षण में प्रयोग आने वाली सुई, पिन, कैंची आदी सामाग्रीयों का बार-बार प्रयोग होने के कारण इनसे अवश्य सचेत रहने की बात बतायी । कही गिर जाने और आली पैरों मे चुम जाने से समस्या हो सकती हैं, इसलिए अंत में अच्छी तरह चेक करना पडेगा । प्रयोग करने के बाद अच्छी तरह साफ-सुथरा करने की बात उन्होंने बतायी ।

उत्तराखंड (भारत) के आपदा पीडितों हेतु राहत संकलन

यूराशिया रेयूकाई सिलीगूडी प्रधान कार्यालय के नेतृत्व में भारत देश के उत्तराखंड के आपदा पीडितों के राहत कें लिए रैली का आयोजन कर राहत-राशि संग्रह की गयी । भारत अंतर्गत विभिन्न संस्कृति केन्द्र के कर्मचारी व यूराशिया रेयूकाई द्वारा संयूक्त रुप से एक लाख रुपये (भारतीय) जलपाईगडी के जिला शासक श्रीमती स्मारिका महापात्र जी को हस्तातरित किया गया ।

यूराशिया रेयूकाई सिलीगुडी संस्कृति केन्द्र में हस्तकला कक्षा का शुभारंभ

११ जुलाई २०१३ के दिन यूराशिया रेयूकाई सिलिगुडी संस्कृति केन्द्र में महिलाओं के लिए, हस्तकला कक्षा का शुभारम्भं हमारी मुमा हिरोको मासुनागा जी के कर-कमलों द्वारा विधिवत संपन्न हुआ । उक्त अवसर पर मुमाजी द्वारा सात महिला प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया । उक्त अवसर पर मुमाजी ने इस प्रशिक्षण के माध्यम से सिलिगुडी संस्कृति केन्द्र में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं के आने-जाने का वातावरण बनाते हुए प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के साथ ही अपनी प्रतिभा को भी विकसित कर पारिवारिक आय बढाने की स्थिति बनाने के लिए प्रेरणादायक मार्गनिर्देशन प्रदान किया ।

यूराशिया रेयूकाई के नए लोगो के सम्बन्ध में संस्थापक अध्यक्षजी का मार्गनिर्देशन:

अब तक केबल लाल निशान मात्र था । वह अंतरात्मा के विकास का निशान हैं । अपनी भावनात्मक स्थिति, अपने कर्म के सम्बन्ध की विभिन्न बातों में परिवर्तन करते जाने बाली संस्था रहने की बात सामने आती हैं ।

कमल के विभिन्न फूलों (लोटस) में एक सफेद कमल का फूल चुना गया है । स्वच्छ स्थान पर कमल का फूल नहीं खिलता, कीचड में खिलता हैं । इस गंदे संसार के अन्दर से लाए इस बुरे चरित्र को हटाना पडेगा । आज का मानव समाज मात्र ही नहीं, जानवर का समाज, सम्पूर्ण पृथ्वी ही गंदा समाज बनकर रह गयी है । उस प्रकार की स्थिति में कमल का फूल प्रष्फुटित होता है । कीचड में नहीं मिलने जैसा उपाय करना होगी ।

"नाम'-म्योहोरेङ्गे-क्यो" में रेङ्गें कमलके फूल (लोटस) है । म्योहो का म्यो कहने पर आँखों से नहीं दिखाई पडने तथा हो कहने पर आँखों से दिखाई पडने वाला संसार है । दोनों संसार में लोटस है । कीचड होने के कारण उसे बचाना चाहिए, तभी सुन्दर कमल का फूल खिला है । ईस प्रकार की शिक्षा सद्धर्मपुण्डरीक सुत्र का उपदेश देने के लिए जन्म लेकर आए थे ।

हमारे लोगों मे दायाँ भाग कमल के फूल का एक पत्र नीचे की ओर झुका हुआ है । उसे हाथ लगाकर रखा गया है । दायां हाथ से आए और बाएं हाथ से पुर्ण होकर जाएं कहने पर बह बात ही मिचिबिकी है । गोल भाग कहता है कि यह स्वरुप बनाएं । उसके अंदर में स्वयं हुं, ऐसा सोचकरा गर्व करना पडेगा ।

हममें कोई भी खुँशहाल समय पर जन्म लेकर नही आए हैं । ऐसे मय में जन्म लेने के प्रति भी कृतज्ञ होना पडेगा । किसी को भी भावना नही है । अपने साथ रहनेवाले बुरे चरित्र को हटाना पडेगा ।

"चलें मिलियन" तुरंत कार्यान्वयन

स्थिरमति पहाड (हानासाकियामा):एक परिचय

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी के कर-कमलों द्वारा १५ दिसम्बर २००१ के दिन हानासाकियामा का

उद्घाटन हुआ था। इस पहाड को हानासाकियामा के नाम से भी जानते हैं। "हानासाकियामा" जापानी शब्द है। इसका अर्थ फूलों से ही परि पुर्ण पहाड समझा जाता है। २३ मार्च २०११ को यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी द्वारा स्थिरमति पहाड के रुप में ईसका नामाकरण किया गया। जापान की रेयूकाई आठवीं शाखा के अनुदान से इसका निर्माण कार्य संपन्न हुआ था।

असंख्य लोगों में आखों से दिखाई नहीं पड सकने वाले दया के फूल खिलाते हुए विश्वशांति निर्माण करने के लिए योगदान करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाले मानवीय शिक्षण स्थल के रुप में यह स्थिरमति पहाड है।

स्थिरमति पहाड नेपाल के गंडकी अंचल कास्की जिला के पुम्दी भुम्दी गांव विकास समिति के वार्ड नं ६ में अवस्थित है। पोखरा सुन्दर नगरी से पश्चिम की ओर १५ किलोमिटर की दूरी पर तथा ३५०० फुट की ऊंचाई की ओर माछापुछ्रे तथा अन्नपूर्ण हिम श्रृखंलाएं विराजमान हैं। ईसके पूरब की ओर गहराई में फेवाताल एवं पोखरा शहर का मनोरम दृष्य देख सकते हैं।

मिलियन अभियान को कार्यान्वयन करने की खुशी का अनुभव

नाम: होजाशु सुश्री प्रज्ञा शाक्य
उम्र: ३२ वर्ष
क्षेत्र: काठमाडूं, किलागल

सभी को नमस्कार। मिचिबिकी ओया श्रीमती विद्यालक्ष्मी शाक्य की दया से कल्पौंकल्प तक विरले ही प्राप्त हो सकने वाली महान् रेयूकाई शिक्षा से भेंट होने का मौका पाकर अभ्यास के क्रम में ५० लोगों कि मिचिबिकी का पुण्फल संचित करने का मौका पाकर आंखों से नहीं दिखाई पडने वाले संसार में रहने वाले असंख्य पूर्वजों की आत्मा को बचाने का मौका प्राप्त करने के लिए गोहोम्यो आत्माग्रहण समारोह में सहभागी होने का मौका पाकर स्वयं पूनर्जन्म प्राप्त करने जैसा महसुस कर १०० दिनों का अभ्यास १०० दिनों में ही पुरा करने का मौका प्राप्त की। उसके बाद स्वयं लोकहितकारी बोधिसत्व के रुप में जिम्मेवारी और कर्तव्य पुरा करने का मौका पाकर संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन अनुसार स्वयं मिचिबिकी का पुण्यफल संचित करने का मौका प्राप्त किए सदस्यों के घर में अपने हाथों सो सोकाईम्यो लिखने का मौका पाकर पैदल चलकर सोकाईम्यो विराजमान कराकर साथ-साथ लगातार सात दिनों तक नीलसूत्र का पाठ अर्पित करने का मौका पाकर आध्यात्मिक संसार के प्रति मैनर सिखाने का मौका पायी। बाद में उस सदस्य के निरन्तर अभ्यास के परिणाम स्वरुप उनके बेटे की पढाई में अच्छी उन्नति हुई। उसके उत्कृष्ट परीक्षाफल प्राप्त होने की खुँशी की बात कहते हुए सचमुच आँखों से दिखाई न पडने वाले संसार से संरक्षण प्राप्त कर अच्छे परिणाम दिखाई पडने की बात महसुस करने का मौका प्राप्त की। उसके बाद एक सदस्य का २२ वर्षीय बेटे की मोटरसाईकिल दुर्घटना में मृत्यु होने के कारण उसकी आत्मा की चिरशांति के लिएर साथ-साथ १० दिन तक सूत्रपाठ चढाने का मौका प्राप्त करने के साथत ही अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन अनुसार आर्थिक रुप से गरीब होने पर भी मन को धनी बनाने की शिक्षा ही रेयूकाई की शिक्षा हैं, इस बात को बताते हुए सचमुच ही बेटे के आत्यात्मिक संसार में खुश रहने की बात सपने में भी देखने का मौका प्राप्त करने की बात सुने का मौका प्राप्त करने पर आध्यात्मिक संसार के प्रति शत-प्रतिशत विश्वास कर यह अभ्यास का ही परिणाम जैसा लगता है। अभ्यास के क्रम में रेयूकाई सदस्यों के लिएर पावर प्वाइंट के रुप मे रहने वाले स्थिरमति पहाड में आयोजित लीडर्स अभ्यास कार्यक्रम में ओदाईमोकु की शक्ति ग्रहण कर मन मैं असंख्य दया के फूल खिलाने का उत्साह एवं आशा लेकर ओदाईमोकु का गीतिलय का कार्यान्वयन करते हुए अभ्यास स्थल पर पहुचकर संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन को ग्रहण करने का मौका पाकर मन व शरीर को साफ कर ओदाईमोकु की शक्ति को ग्रहण करने का महान् मौका प्राप्त की। जन्म के साथ लेकर आए कर्म के संबधों और अपने चरित्र को महसुस कर आध्यात्मिक संसार से शक्ति ग्रंहण करने का महान् मौका प्राप्त की। जन्म के साथ लेकर आए कर्म के संबधों और अपने चरित्र को महसुस कर आध्यात्मिक संसार से शक्ति ग्रहण कर विश्वशांति निर्माण करने के लिए चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन को स्वयं कार्यान्वयन कर सदस्यों को भी कार्यान्वयन कराकर १८ नवम्बर २०१३ को महागुरु काकुतारो कुबोजी की ७०वें पुण्यतिथि स्मरण समारोह में सोकाईम्यो स्थापना कर साथ-साथ सूत्रपाठ चढाने का मौका पाकर पुण्यफल का परिणाम लेकर सहभागी होने की प्रतिज्ञा करती हुँ। धन्यवाद, नमस्कार।

विभिन्न देशों के अनुसार संपन्न कार्यक्रम

सिलाईकटाई प्रशिक्षण (बंगलादेश)

महिला मिलन (धरान)

म्योईचिकाई मिलन (म्यानमार)

साफ सफाई कार्यक्रम (काठमाण्डौ)

वृक्षारोपण कार्यक्रम,(बुटवल)

रक्तदान कार्यक्रम,(वितामोड)

छात्रवृत्ति प्रदान, कालिम्पोङ, (भारत)

एईको मासुनागा नेत्र अस्पताल में श्रमदान,(बनेपा)